भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

ल खत प्रश्न सं. 1422**#**

गुरूवार, 28 जुलाई, **202**2/06 श्रावण, **194**4 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

बिहार में एक्वा-टूरिज़्म

1422**#.** श्री सतीश चंद्र दूबेः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या सरकार ने बिहार सहित अन्य राज्यों में एक्वा-टूरिज़्म शुरू करने के लए कोई उपाय कए हैं; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है**?**

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. कशन रेड्डी)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय ने वर्षपर्यंत गंतव्य के रूप में बिहार सहित भारत के संवर्धन तथा व शष्ट अ भरु च वाले पर्यटकों को भारत की ओर आक र्षत करने के लए साह सक पर्यटन को एक निश पर्यटन उत्पाद के रूप में अ भज्ञात कया है , जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ जल क्रीड़ा संबंधी गति व धयां शा मल हैं।

भारत को वश्व स्तर पर साह सक पर्यटन के लए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्था पत करने के लए, पर्यटन मंत्रालय ने साह सक पर्यटन के लए एक राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है।

देश में साह सक पर्यटन के संवर्धन और वकास के लए कार्यनीति के प्रचालन और कार्यान्वयन के उद्देश्य से स चव (पर्यटन) की अध्यक्षता में साह सक पर्यटन के लए एक राष्ट्रीय बोर्ड का गठन कया गया है , जिसमें अ भज्ञात केन्द्रीय मंत्रालयों/संगठनों , राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों और उद्योग हितधारकों के प्रतिनि ध शा मल हैं। इन उद्देश्यों में निम्न ल खत शा मल हैं:-

(i) वस्तृत कार्य योजना और सम र्पत योजना का निर्माण

(ii) प्रमाणन योजना

(iii) सुरक्षा दिशा-निर्देश

(iv) क्षमता निर्माण, राष्ट्रीय और वैश्विक सर्वोत्तम पद्धतियों की प्रतिकृति

(v) राज्य की नीतियों और रैं कंग का मूल्यांकन

(vi) वपणन और संवर्धन

(vii) गंतव्य और उत्पाद वकास

(viii) निजी क्षेत्र की भागीदारी

(ix) साह सक पर्यटन के लए व शष्ट कार्यनीतियां

(x) देश में साह सक पर्यटन के वकास के लए कोई अन्य उपाय।

इसके अतिरिक्त, अवसंरचना वकास के लए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वत्तीय सहायता प्रदान करने के लए स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत तटीय परिपथ को एक थीमैटिक परिपथ के रूप में चन्हित कया गया था। योजना की तटीय परिपथ थीम के अंतर्गत व भन्न राज्यों में स्वीकृत परियोजनाओं के ब्यौरे अनुबंध में दिए गए हैं।

उपर्युक्त के अलावा, पर्यटन मंत्रालय, राष्ट्रीय जल क्रीड़ा संस्थान (एनआईडब्ल्यूएस), गोवा के माध्यम से, व भन्न कौशल वकास पाठ्यक्रमों के माध्यम से जल क्रीड़ा प्रचालकों को प्र शक्षण प्रदान करता है और प्र शक्षुओं को प्रमा णत करता है।

******

अनुबंध

बिहार में एक्वा-टूरिज़्म के सम्बन्ध में दिनांक 2 **8**.07.2022 के राज्य सभा के ल खत प्रश्न संख्या **1422#** के भाग (क) और (ख) के उत्तर में ववरण

देश में स्वदेश दर्शन योजना के तटीय परिपथ के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का ववरण

(रा श करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य का नाम	स्वीकृति का वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत रा श	जारी की गई रा श
1.	आंध्र प्रदेश	(2014-15)	काकीनाडा - होप द्वीप - कोरिंगा वन अभ्यारण्य - पसारलापुडी - अडुरु - एस यनम- कोटिपल्ली का वकास	67.84	67.84
2.	आंध्र प्रदेश	(2015-16)	नेल्लोर-पु लकट झील-उब्बलामादुगु जलप्रपात-नेलप ु-कोथाकोडुरू- मायपाडू -रामातीर्थम-ईस्कापल्ली का वकास	49.55	47.76
3.	पुडुचेरी	(2015-16)	डुबरयापेट- अरिकामेडु- वीरमप िनम-चुनांबर-नल्लवाडू/नारामबाई- मानापेट-कालापेट- पुडुचेरी - यनम का वकास	58.44	61.82
4.	पश्चिम बंगाल	(2015-16)	उदयपुर- दीघा-शंकरपुर-ताजपुर-मंदार मण-फ्रेजरगंज-बक्खलाई- हेनरी द्वीप में तटीय परिपथ का वकास	67.99	68.31
5.	महाराष्ट्र	(2015-16)	संधुदुर्ग तटीय परिपथ सागरेश्वर, तारकरली, वजयदुर्ग (समुद्र तट और क्रीक), मतभाव का वकास।	19.06	18.11
6.	गोवा	(2016-17)	संक्वेरिम-बागा, अंजुना-वेगेटर, मोरजिम-केरी, अगौदा कला और अगौदा जेल का वकास	97.65	92.76
7.	ओ डशा	(2016-17)	गोपालपुर, बरकुल, सतपाड़ा और तंपारा का वकास।	70.82	63.56
8.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	(2016-17)	लांग आईलैंड-रॉस स्मिथ द्वीप - नील द्वीप-हैवलॉक द्वीप-बरटांग द्वीप-पोर्ट ब्लेयर का वकास	27.57	20.89
9.	त मलनाडु	(2016-17)	(चेन्नई- मामल्लापुरम - रामेश्वरम - मनपाडु - कन्याकुमारी) का वकास	73.13	69.48
10.	गोवा	(2017-18)	तटीय परिपथ-**II** का वकास: रूआ डी ओरम क्रीक-डॉन पौला-कोलवा - बेनौ लम का वकास	99.35	94.38
			कुल	631.4	604.91

******